राजस्थान विधान सभा की कार्यवाही का वृत्तान्त

अंक: 6 तेरहवीं विधान सभा के छठे सत्र का इकत्तीसवां दिवस संख्या: 12

गुरूवार,
17 मार्च, 2011

राजस्थान विधान सभा की बैठक 11:00 बजे
राजस्थान विधान सभा भवन, जयपुर में प्रारम्भ हुई।

(श्री दीपेन्द्र सिंह शेखावत, अध्यक्ष, पदासीन)

श्री अध्यक्ष: श्रीमती कृष्णेन्द्र कौर 'दीपा'।

तारांकित प्रश्नोत्तर

नदबई विधान सभा क्षेत्र के निर्माणाधीन ग्रिड सब-स्टेशन

199. श्रीमती कृष्णेन्द्र कौर (दीपा) (नदबई): क्या ऊर्जा मत्री यह बताने की कृपा करेंगे:-

(1) क्या यह सही है कि गत पाँच वर्षों में विधान सभा क्षेत्र नदबई में 33/11 के.वी. ग्रिड सब-स्टेशन एवं 132 के.वी. ग्रिड सब स्टेशन स्वीकृत किए गए हैं? यदि हां, तो इनको किन-किन क्षेत्रों में स्थापित किया गया है? सूची सदन की मेज पर रखें।

(2) क्या अभी हाल में 132 के.वी. ग्रिड सब-स्टेशन डहरा मोड, नदबई में स्वीकृत किया गया है? यदि हां, तो उक्त कार्य कब तक शुरू कर दिया जाएगा?

(3) क्या यह सही है कि 33/11 के.वी. ग्रिड सब-स्टेशन मदरियापुरा (रूपवास) में स्वीकृत किया गया है? यदि हां, तो उक्त का कार्य पूर्ण कर कब तक चालू कर दिया जाएगा? ...(व्यवधान)...

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): माननीय अध्यक्ष महोदय, पाइंट आफ इन्फार्मेशन। माननीय अध्यक्ष महोदय, कल सदन की प्रतिपक्ष की नेता ने इस सदन के अन्दर जिस तरह से मुझे बुलाकर ...(व्यवधान)...

श्री राजेन्द्र राठौड़ (तारानगर): यह क्या हो रहा है?

श्रीमती सूर्यकान्ता व्यास (सूरसागर): माननीय अध्यक्ष महोदय, यह क्या तरीका है?

कार्यवाही वृत्तान्त में प्रयुक्त संकेताक्षर

+++: शब्द/अभिव्यक्ति अध्यक्षपीठ के आदेशानुसार अपलोपित की गयी।

000: अध्यक्षपीठ के आदेशानुसार अंकित नहीं किया गया।

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): और धमकाया और जिस तरह से जान से मारने की धमकी दी माननीय अध्यक्ष महोदय, उन्होंने कहा कि मैं 96 लोगों को देख लूंगी। तुम्हारे सदन के नेता को देख लूंगी ...(व्यवधान)...

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्य, प्रश्न काल में यह नहीं होता। ...(व्यवधान)...

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): यह सदन ...(व्यवधान)... मेरी जान को खतरा है और मेरे विशेषाधिकार का हनन किया है उन्होंने। ...(व्यवधान)...

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्य, प्रश्न काल होने दीजिए।

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): और यह भी कहा है उन्होंने ...(व्यवधान)...और यह परम्परा इस सदन के अन्दर अगर पड़ जाएगी।...(व्यवधान)...

श्री अध्यक्ष: प्रश्न काल चलने दीजिए। ...(व्यवधान)...

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): पिछली बार भी सदन के अन्दर मेरी पत्नी के बारे में जिस तरह की ऊल-जलूल टिप्पणियां माननीय सदस्यों ने की थी ...(व्यवधान)...

श्रीमती वसुन्धरा राजे (झालरापाटन): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं भी निवेदन करना चाहती हूं। ...(व्यवधान)...

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे संरक्षण चाहता हूं।

श्री अध्यक्ष: प्रश्न काल को कृपया चलने दीजिए।

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): माननीय अध्यक्ष महोदय, इस तरह की घटनाएं इस सदन के अन्दर हो रही हैं। यहां कई सारे विधायक बैठे हुए थे। ...(व्यवधान)...

श्री अध्यक्ष: प्रश्न काल चलने दीजिए। प्रश्न काल के बाद आप दोनों पक्ष ...(व्यवधान)...

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): माननीय अध्यक्ष महोदय, यह शर्मनाक पहलू इस राजस्थान की विधान सभा के इतिहास में है। जो ...(व्यवधान)...

श्री अध्यक्ष: प्रश्न काल चलने दीजिए।

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): जो बहुत बड़ा नेता है ...(व्यवधान)... मुख्य मंत्री रही हैं इस प्रदेश की। आज नेता, प्रतिपक्ष है। अगर वह विधायकों को बुला-बुलाकर इस तरीके से डांट पिला देंगी, धमकी देंगी तो ...(व्यवधान)...

श्री अध्यक्ष: प्रश्न काल चलने दें।

श्री नगराज (धरियावद): माननीय सदस्यों के अधिकारों की रक्षा की जाए।

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): मेरे और मेरे परिवार को माननीय अध्यक्ष महोदय, कहीं कुछ हो गया तो उसकी जिम्मेदारी आप तय करिए कि किसकी होगी। ...(व्यवधान)... यह सदन के लिए गरिमापूर्ण बात नहीं है माननीय अध्यक्ष महोदय, आप संरक्षण दें माननीय अध्यक्ष महोदय, ...(व्यवधान)...

श्री अध्यक्ष: आप विराजिए। ...(व्यवधान)...

श्री नगराज (धरियावद): यह माननीय सदस्य सही कह रहे हैं। माननीय सदस्य को ...(व्यवधान)... यह आज जो अख़बार में आया है। ...(व्यवधान)...

श्री अध्यक्ष: एक मिनट। आसन पांवों पर। एक मिनट ...(व्यवधान)... मैं दोनों पक्षों से प्रार्थना करना चाहता हूं कि जीरो आवर में आपको नियमानुसार ...(व्यवधान)... प्लीज जीरो आवर मैं आपको समय दे दूंगा। प्रश्न काल कृपया हो जाने दीजिए।

श्रीमती वसुन्धरा राजे (झालरापाटन): हां, ठीक है। ...(व्यवधान)...

श्री अध्यक्ष: प्रश्न काल महत्वपूर्ण होता है। माननीय सदस्यगण प्रश्न काल के लिए चिंतित होकर, तैयारी करके इंतजार करते हैं कि किसी तरह मेरा प्रश्न आए। महत्वपूर्ण समस्याओं पर चर्चा हो जाए। कोई गजब नहीं ढह जाने वाला है, एक घंटे बाद में मैं आपको समय दे दूंगा, यह प्रार्थना कर रहा हूं इसलिए प्रश्न काल कृपया हो जाने दीजिए। ...(व्यवधान)...

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): नहीं, माननीय अध्यक्ष महोदय, एक सदस्य की जिन्दगी का और उसके परिवार की जिन्दगी का सवाल है। इसको मजाक मत बनाइये आप। ...(व्यवधान)...

श्री राजेन्द्र राठौड़ (तारानगर): माननीय अध्यक्ष महोदय, यह क्या है? माननीय अध्यक्ष महोदय, यह क्या है? यह मजाक है क्या? ...(व्यवधान)...

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): इस सदन के अन्दर माफी मांगनी पड़ेगी इनको ...(व्यवधान)...

श्री राजेन्द्र राठौड़ (तारानगर): यह क्या मजाक है?

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): मेरे को, कई सारे विधायक यहां पर बैठे हुए थे। उनके सामने जिस तरह से इन्होंने कहा, यह तरीका नहीं है माननीय अध्यक्ष महोदय, ...(व्यवधान)...

श्री राजेन्द्र राठौड़ (तारानगर): माननीय अध्यक्ष महोदय, हम सदन चलाना चाहते हैं। ...(व्यवधान)... हम सदन चलाना चाहते हैं। ...(व्यवधान)...

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): और यह इस सदन के अन्दर काला भी होगा, कलंक का दिनहोगा जब एक इतने बड़े पद पर बैठे हुए कोई व्यक्ति अगर साधारण सदस्य को कल आम विधायकों के बीच में आकर और इस तरह की हरकत करे, क्या संदेश देना चाहते हैं लोक तंत्र के अन्दर हम? किस तरह से आप ...(व्यवधान)... बना रहे हैं। ...(व्यवधान)...

श्रीमती वसुन्धरा राजे (झालरापाटन): माननीय अध्यक्ष महोदय, इस पवित्र सदन में दो दिन से मेरी ओर इंगित करके कही गई टिप्पणी को लेकर गतिरोध है।

माननीय अध्यक्ष महोदय, यह सदन लोक तंत्र का सबसे बड़ा मंदिर है। इस सदन से राजस्थान की जनता अपेक्षा करती है कि सत्ता पक्ष व प्रतिपक्ष दोनों मिलकर जन भावनाओं के अनुरूप समस्याओं का निराकरण करें। प्रदेश के विकास में दोनों मिलकर सकारात्मक भागीदारी निभाएं।

सदन का अमूल्य समय जनता के लिए सार्थक बहस के लिए है, व्यक्तिगत लांछन के लिए नहीं। इसके बावजूद भी आप मेरे बारे में जो भी टिप्पणियां करना चाहें, करें। मैं एक महिला हूं और महिलाओं में बहुत सहनशक्ति होती है और एक महिला के कारण मुझे प्रदेश

की जनता के लिए अपमान का घूँट भी पीना पड़े तो मैं तैयार हूं। परन्तु यह सदन सुचारु रूप से चले इसके लिए मैं ही नहीं पूरा प्रतिपक्ष तैयार है।

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): माननीय अध्यक्ष महोदय, इस सदन के अन्दर इस तरह की घटनाएं माननीय अध्यक्ष महोदय, दुर्भाग्यपूर्ण है और अगर सदस्यों की जान-माल की सुरक्षा करने वाले, संरक्षण देने के लिए ...(व्यवधान)... मैं आपसे अपील करता हूं। ...(व्यवधान)...

श्री नगराज (धरियावद): पहले माफी मांगें। ...(व्यवधान)...

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): मैं आपसे अपील करता हूं कि आप मुझे संरक्षण दिलवाइये और मेरे परिवार को संरक्षण दिलवाइये। ...(व्यवधान)...

श्री नगराज (धरियावद): पहले सदन से माफी मांगें। ...(व्यवधान)...

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): और इस तरह की हरकतों से ...(व्यवधान)... यह राजस्थान के इतिहास में माननीय अध्यक्ष महोदय, पहली बार हुआ है। कभी नहीं हुआ। ...(व्यवधान)... माफी मंगवाइये आप और तब ही इस सदन की कार्यवाही चलेगी। ...(व्यवधान)... माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपको यह निवेदन करना चाहता हूं कि अगर मेरे को कुछ हो गया, मेरे परिवार को कुछ हो गया तो कौन जिम्मेदार होगा? माननीय अध्यक्ष महोदय, आपसे प्रार्थना है कि ...(व्यवधान)...

श्री नवल किशोर मीणा (बामनवास): यह कोई स्थान, ...(व्यवधान)... राजा-महाराजाओं का सदन नहीं है ...(व्यवधान)...

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरे परिवार की जिन्दगी का सवाल है। आप कुछ करायें। ...(व्यवधान)... गृह मंत्रीजी के बारे में यह कहे कि ...(व्यवधान)... देख लूंगी, सारे 96 विधायकों को दूख लूंगी ...(व्यवधान)... विधायकों को देख लेंगे। यह हरकतें राजस्थान के लोकतंत्र के लिए काले दिन के रूप में रहेंगी इसलिए मुझे आपसे संरक्षण चाहिए माननीय अध्यक्ष महोदय, ...(व्यवधान)...

श्री अध्यक्ष: सदन की कार्यवाही एक घंटे के लिए स्थगित करता हूं।

(तदनन्तर सदन की बैठक 11.04 बजे एक घण्टे के लिए स्थगित हुई।)

Spp/usc/17.3.2011/12.00/1g

(12.04 बजे)

पुन: समवेत् होने पर

(श्री सुरेन्द्र सिंह जाड़ावत, सभापति, पदासीन)

श्री नगराज (धरियावद): माननीय सभापति महोदय, हमारे सदस्य के खिलाफ जो माननीय प्रतिपक्ष के नेता ने धमकी भरी है, उसके लिये आप क्या रक्षा कर रहे हैं? ..(व्यवधान)...

श्रीमती वसुन्धरा राजे (नेता,प्रतिपक्ष): माननीय सभापति महोदय, ऑन ए पाइंट ऑफ एक्सप्लेनेशन। ...(व्यवधान)...

श्री नगराज (धरियावद): माननीय सभापति महोदय, आप सुरक्षा की व्यवस्था कर रहे हैं ...(व्यवधान)... पहले यह तो बता दें। ..(व्यवधान)...

श्रीमती वसुन्धरा राजे (नेता,प्रतिपक्ष): सभापति महोदय, ऑन ए पाइंट ऑफ एक्सप्लेनेशन। ...(व्यवधान)...

श्री नगराज (धरियावद): सभापति महोदय, यह तो बता दें माननीय सदस्य की क्या व्यवस्था है? ..(व्यवधान)...

एक माननीय सदस्य: नीचे बैठ जाओ, पहले बोलने तो दो इनको। ..(भारी व्यवधान)...

श्री नगराज (धरियावद): आप यह बता दें केकड़ी से आने वाले माननीय सदस्य को धमकियां दी जा रही है। ..(व्यवधान)...

श्रीमती वसुन्धरा राजे (नेता,प्रतिपक्ष): केकड़ी से आने वाले माननीय सदस्य ने अनर्गल, बेबुनियाद, असत्य बातें कहीं, उनसे मैं ही नहीं, सारा सदन आश्चर्यचकित एवं हतप्रभ है। ...(व्यवधान).... मैं उनके द्वारा लगाये गये आरोपों का खण्डन करती हूं। ....(व्यवधान)...ये सारे आरोप बेबुनियाद हैं। यह मामला सदन के नेता के समक्ष भी आया होगा। ..(व्यवधान)...वे चाहते तो इस विषय में मुझसे फोन पर तो सत्यता की जानकारी ले सकते थे। पर मुझे अफसोस है कि उन्होंने भी इस संबंध में मुझसे कोई बातचीत नहीं की। ...(व्यवधान)...

एक माननीय सदस्य: शर्मनाक बात है। ...(व्यवधान)....

श्रीमती वसुन्धरा राजे (नेता,प्रतिपक्ष): हम अब भी प्रदेश हित में सदन चलाना चाहते हैं। देश के अन्नदाता किसानो से जुड़े विषय, कृषि और पशुपालन पर बहस करना चाहते हैं।

एक माननीय सदस्य: माननीय सभापति महोदय, यह प्रतिपक्ष की नेता महोदय धमकी दे रही हैं। ...(व्यवधान)...

एक माननीय सदस्य: इनको जान का खतरा है....(व्यवधान)...

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): इस तरह से धमकाने की कोशिश की जा रही है, वह भी दुर्भाग्य से नेता प्रतिपक्ष द्वारा ...(व्यवधान).... सदन के अंदर इस तरह का माहौल और किस तरह का वातावरण देना चाहते हैं। ...(व्यवधान).... और आज मैं आपसे कहना चाहता हूं पेयजल पर बहस है। यह इस लोकतंत्र की हत्या करना चाहते हैं। ...(व्यवधान)...

श्री नवल किशोर मीणा (बामनवास): पहले आप माफी मांगो। ...(व्यवधान)... पहले माफी दिलाई जाये। ..(व्यवधान)...

श्री राजेन्द्र राठौड़ (तारानगर): प्रतिपक्ष की नेता को एक्सप्लेनेशन नहीं दिया जाने दे रहा..(व्यवधान)....

एक माननीय सदस्य: राजस्थान में लोगों को मरवा दिया। ...(व्यवधान)... आज यह विधायक को धमकी दे रहे हैं। ...(व्यवधान)...

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): जिस तरह से यह सलाहकार मंडल के सदस्य हैं...(व्यवधान)... और अपने नेता के करवाते हैं यह ...(व्यवधान)... घटना है तारानगर से आने वाले, यह बहरोड़ से आने वाले माननीय सदस्य ...(व्यवधान).. सदन के अंदर जिस तरह की परम्पराएं तार-तार की हैं ..(व्यवधान)... धमकाकर राजनीति करना चाहते हैं। और जिस तरह की घटनाओं ...(व्यवधान)... सदन में क्या बचेगा सभापति महोदय ...(व्यवधान)...

एक माननीय सदस्य: वसुन्धरा जी माफी मांगो। ...(व्यवधान)...

(भारतीय जनता पार्टी के माननीय सदस्यों का वैल में प्रवेश एवं नारेबाजी एवं भारी व्यवधान)

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): वह रोने लगे सदन के अंदर ...(व्यवधान).... जिस तरह का इतिहास रहा है, जिस तरह का ...(व्यवधान)....

श्री सभापति: अंकित नहीं हो। (हाथ के इशारे से अंकित करने से मना किया।)

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): 000

श्री नगराज (धरियावद): 000

श्री रामस्वरूप कसाना (कोटपूतली): 000

श्री गोपाल मीणा (जमवारामगढ़): 000

एक माननीय सदस्य: 000

श्रीमती बीना काक (महिला एवं बाल विकास मंत्री): 000

(सत्ता पक्ष के सदस्यों द्वारा नारेबाजी)

श्री नगराज (धरियावद): 000

श्री नवल किशोर मीणा (बामनवास): 000

श्रीमती बीना काक (महिला एवं बाल विकास मंत्री): 000

श्री सी.एल. प्रेमी (केशवरायपाटन): 000

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): 000

श्रीमती बीना काक (महिला एवं बाल विकास मंत्री): 000

श्री नवल किशोर मीणा (बामनवास): 000

श्रीमती बीना काक (महिला एवं बाल विकास मंत्री): 000

pcs/usc/17.03.2011/12.10/1h

श्रीमती बीना काक (महिला एवं बाल विकास मंत्री): 000

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): 000

श्री मदन प्रजापत (पचपदरा): 000

श्री सी.एल. प्रेमी (केशवरायपाटन): 000

श्री गोपाल मीणा (जमवारामगढ़): 000

श्री सभापति: सदन की कार्यवाही एक घण्टे के लिए स्थगित की जाती है।

(तदनन्तर सदन की बैठक 12.11 बजे एक घण्टे के लिए स्थगित हुई)

Msr/usc/1310/1o/17032011

(13.11 बजे)

पुन: समवेत् होने पर

(श्री दीपेन्द्र सिंह शेखावत, अध्यक्ष, पदासीन)

श्री महेन्द्र चौधरी (नावां): माननीय अध्यक्ष महोदय, सदन की गरिमा को खराब किया गया है, प्रतिपक्ष की नेता सदन से माफी मांगें। ...(व्यवधान)... एक विधायक के खिलाफ जो कार्यवाही की गयी है ...(व्यवधान)...

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): माननीय अध्यक्ष महोदय, इस पत्र के साथ हम आपका ध्यान एक गम्भीर विषय की ओर आकृष्ट करना चाहते हैं कि प्रतिपक्ष की नेता ने 25-30 माननीय सदस्यों विधायकों के सामने माननीय विधायक श्री रघु शर्मा को बुला कर ...(व्यवधान)... सभी 96 विधायकों को देख लेने की धमकी दी है ...(व्यवधान)...

श्री मदन प्रजापत (पचपदरा): माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय वसुन्धरा जी माफी मांगें, वसुन्धरा जी माफी मांगो। ...(व्यवधान)...

एक माननीय सदस्य: कुत्ते को गोली किसने मारी, कुत्ते को गोली क्यों मारी? ...(भारी व्यवधान)...

श्री महेन्द्र चौधरी (नावां): सदन से माफी मांगनी चाहिए। ...(व्यवधान)...

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): आप स्वयं, सभी सदस्य और मंत्री और मुख्यमंत्री श्री अशोक जी गहलोत भी शामिल हैं, राजस्थान का इतिहास ...(व्यवधान)... यह पहली घटना है, राज्य की 6 करोड़ जनता अपमान है ...(व्यवधान)... साथ ही माननीय सदस्य के परिवार के जीवन को भी खतरा उत्पन्न हो गया है। ...(भारी व्यवधान)...

एक माननीय सदस्य: कुत्ते को गोली किसने मारी, कुत्ते को गोली क्यों मारी? ...(व्यवधान)...

श्री मदन प्रजापत (पचपदरा): वसुन्धरा जी माफी मांगो। ...(व्यवधान)...

श्रीमती वसुन्धरा राजे (नेता, प्रतिपक्ष): माननीय अध्यक्ष महोदय, केकड़ी से आने वाले सदस्य ने जो अनर्गल, बेबुनियाद, असत्य बातें सदन में कही, ...(व्यवधान)... सारा सदन आश्चर्यचकित एवं हतप्रभ: है। मैं उनके द्वारा लगाये गये आरोपों का खण्डन करती हूं। ये सारे आरोप बेबुनियाद हैं। ...(व्यवधान)... सदन के नेता के समक्ष भी आया होगा। वे चाहते तो इस विषय में मुझ से फोन पर तो सत्यता की जानकारी ले सकते थे पर मुझे अफसोस है कि उन्होंने भी इस सम्बन्ध में मुझ से कोई बातचीत नहीं की। ...(व्यवधान)...

हम अब भी प्रदेश हित में सदन चलाना चाहते हैं। देश के अन्नदाता किसानों से जुडे विषय, कृषि और पशुपालन पर बहस करना चाहते हैं। ...(व्यवधान)...

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): पूर्व मुख्यमंत्री और प्रतिपक्ष की नेता श्रीमती वसुन्धरा राजे को ...(व्यवधान)... कोई नैतिक अधिकार नहीं है। ...(व्यवधान)... इससे पूर्व में भी यह और इनकी पत्नी, जो साधारण महिला है ...(व्यवधान)... जो इस सदन की सदस्य नहीं हैं उसके बारे में इतनी अशोभनीय और अपमानजनक टिप्पणी ...(व्यवधान)... जिसका पूरा सदन गवाह है। ...(व्यवधान)...

श्री मदन प्रजापत (पचपदरा): माफी मांगो, माफी मांगो।

(कांग्रेस के अनेक माननीय सदस्यों द्वारा अपनी सीटों से नारे)

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): इनका यह आचरण दर्शाता है कि न तो इनके मन में इस सदन के प्रति सम्मान है, न ही सदस्य की महिलाओं के प्रति ...(व्यवधान)... इनका लगातार आचरण दर्शाता है कि यह सिर्फ अपने राजनीतिक स्वार्थों की पूर्ति के लिए किसी हद तक जा सकती हैं और बिना सत्ता के रहना इनकी फितरत में नहीं है। ...(व्यवधान)...

श्री मदन प्रजापत (पचपदरा): इनका हर आचरण ...(व्यवधान)... इनकी फितरत है, अध्यक्ष महोदय ...(व्यवधान)...

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): इससे यह भी साबित होता है कि यह सामन्ति विचारधारा की ऐसी महिला हैं जिनका लोकतंत्र में कोई यकीन नहीं है ...(व्यवधान)... और यही कारण है कि इनके रहते हुए षड़्यंत्रपूर्वक मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत को चौथी बार अपना वक्तव्य नहीं देने दिया गया है। ...(व्यवधान)... एक सोची-समझी साजिश के तहत किया जा रहा है। ...(व्यवधान)...

स्थगन प्रस्तावों पर अध्यक्षीय व्यवस्था

श्री अध्यक्ष: मुझे माननीय सदस्यों को सूचित करना है कि निम्नांकित स्थगन प्रस्तावों की सूचना प्राप्त हुई है :-

(1) श्री पवन दुग्गल, सदस्य की ओर से श्रीगंगानगर जिले में ईंट भट्ठा मजदूरों को केरोसिन वितरण बन्द करने से उत्पन्न स्थिति पर चर्चा के लिए।

(2) श्री रमेश चन्द मीणा, सदस्य की ओर से विधान सभा क्षेत्र टोडाभीम में विद्यालयों को क्रमोन्नत नहीं किये जाने से उत्पन्न स्थिति पर चर्चा के लिए।

(3) श्री सुखराम कोली, सदस्य की ओर से विधान सभा क्षेत्र बसेड़ी में विद्युत की समस्या से उत्पन्न स्थिति पर चर्चा के लिए।

(4) श्री गुलाब चन्द कटारिया, सदस्य की ओर से बांसवाड़ा जिले के हींच गांव के दो व्यक्तियों की हत्या से उत्पन्न स्थिति पर चर्चा के लिए।

(5) डा. दिगम्बर सिंह, सदस्य की ओर से दारिया मुठभेड़ कांड में सी.बी.आई. द्वारा गिरफ्तार इन्स्पैक्टर पर राजनेताओं एवं पुलिस के आला अधिकारियों के नाम लेने का दबाव बनाने से उत्पन्न स्थिति पर चर्चा के लिए। ...(व्यवधान)...

उपरोक्त प्रस्ताव अविलंबनीय लोक महत्व के नहीं हैं। माननीय सदस्यों को सम्बन्धित विभागों की अनुदान की मांगों पर चर्चा के समय बोलने का पर्याप्त अवसर उपलब्ध है। अत: अनुमति देने में असमर्थ हूं। ...(व्यवधान)...

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): हम आपसे मांग करते हैं कि हमारे इस माननीय सदस्य और उसके परिवार को सुरक्षा दें और नेता प्रतिपक्ष अपने कृत्य के लिए ...(व्यवधान)...

श्री गजेन्द्र सिंह शक्तावत (वल्लभ नगर): एक सोची-समझी साजिश है, माननीय अध्यक्ष महोदय, सदस्य के पूरे परिवार को सुरक्षा दी जाय और इनके नेता जी माफी मांगें। ...(व्यवधान)... ...(व्यवधान)... माफी मांगें। ...(व्यवधान)...

एक माननीय सदस्य: नेता प्रतिपक्ष पूरे सदन के सामने माफी मांगें। ...(व्यवधान)...

श्री मदन प्रजापत (पचपदरा): माननीय अध्यक्ष महोदय, माफी मांगें, माफी मांगो। ...(व्यवधान)... पहले माफी मांगों।

(कांग्रेस के अनेक माननीय सदस्यों द्वारा अपनी सीटों से नारे)

श्री अध्यक्ष: (6) श्री कालीचरण सराफ, सदस्य की ओर से प्रदेश में स्वाईन फ्लू का प्रकोप पुन: आने से उत्पन्न स्थिति पर चर्चा के लिए।

(7) श्री मोहन लाल गुप्ता, सदस्य की ओर से जयपुर शहर की बिगड़ती सफाई व्यवस्था से उत्पन्न स्थिति पर चर्चा के लिए।

(8) डा. फूलचंद भिण्डा, सदस्य की ओर से राजस्थान में परिषद के आयुक्त को गिरफ्तारी के बाद भी विभाग द्वारा निलंबित नहीं किये जाने से उत्पन्न स्थिति पर चर्चा के लिए। ...(व्यवधान)...

(9) श्री राजेन्द्र राठौड़, सदस्य की ओर से भ्रष्टाचार के आरोप में चूरू नगर परिषद के आयुक्त की गिरफ्तारी के बाद भी विभाग द्वारा निलम्बित नहीं किये जाने से उत्पन्न स्थिति पर चर्चा के लिए।

उपरोक्त प्रस्ताव भी ऐसे हैं कि सदन की पूर्व निर्धारित कार्यवाही को रोक कर इन पर विचार किया जाए, अत: अनुमति देने में तो असमर्थ हूं फिर भी माननीय सदस्य श्री कालीचरण सराफ, श्री मोहनलाल गुप्ता, श्री फूलचन्द भिण्डा एवं श्री राजेन्द्र राठौड़ को अपने-अपने प्रस्ताव की विषय वस्तु पर दो-दो मिनट बोलने की अनुमति होगी। ...(व्यवधान)...

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): इनका जो आचरण है, इस सदन की ...(व्यवधान)...

एक माननीय सदस्य: माफी मांगों पहले। ...(व्यवधान)...

श्री मदन प्रजापत (पचपदरा): माननीय सदस्य को धमकाना और डराना, वसुन्धरा जी माफी मांगें, अध्यक्ष महोदय। ...(व्यवधान)...

श्री गजेन्द्र सिंह शक्तावत (वल्लभ नगर): माफी मंगायी जाय पहले, अध्यक्ष महोदय, और हमें सुरक्षा ...(व्यवधान)...

श्री मदन प्रजापत (पचपदरा): जिस तरह से एक सदस्य के साथ हुआ है, इस तरह का व्यवहार नेता प्रतिपक्ष को ...(व्यवधान)... माफी मांगें, अध्यक्ष महोदय। ...(व्यवधान)...

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): माननीय अध्यक्ष महोदय, इस बार भी वो ही किया गया जो पिछली बार किया गया। ...(व्यवधान)... इस तरह से अगर सदन के नेता को बोलने नहीं देंगे, यह इस सदन की सारी परम्पराओं को ध्वस्त करने की कोशिश करती हैं ...(व्यवधान)... इनके जो सलाहकार हैं, इनके साथ मिल कर और षड़्यंत्र रचा जाता है। ...(व्यवधान)...

श्री मदन प्रजापत (पचपदरा): कुत्ते को गोली किसने मारी? ...(व्यवधान)... पहले माफी मांगो1 ...(व्यवधान)...

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): राजस्थान की विधान सभा में हमने पूरे धैर्य पूर्वक ...(व्यवधान)...

एक माननीय सदस्य: माननीय अध्यक्ष महोदय, माफी मंगायी जाय, माफी। ...(व्यवधान)...

श्री मदन प्रजापत (पचपदरा): प्रतिपक्ष की नेता माफी मांगे। ...(व्यवधान)...

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): अपने तरीके से सदन नहीं चलेगा, अगर आप लोकतंत्र में यकीन करते हैं तो ...(व्यवधान)...

एक माननीय सदस्य: माननीय अध्यक्ष महोदय, यह हमारे सारे विधायक की सुरक्षा की बात है। ...(व्यवधान)... माफी मांगी जाय। ...(व्यवधान)...

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): हमने शालीनतापूर्वक इनके वक्तव्य को सुना ...(व्यवधान)... और यह इस सदन के लिए एक दुर्भाग्य की बात है, माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आज आपसे कहना चाहता हूं कि यह सदन सामन्ति सोच से नहीं चल सकता, सामन्तशाही का लोकतंत्र में कोई स्थान नहीं है और जिस तरह से सदन के नेता को, चाहे वो पिछली बार हो राज्यपाल महोदय के भाषण के जवाब में, चाहे बजट के जवाब में हो, चाहे ...(व्यवधान)... राज्यपाल के अभिभाषण के जवाब में हो, इस बार ...(व्यवधान)... षड़्यंत्रपूर्वक सदन के नेता को बोलने नहीं दिया गया, माननीय अध्यक्ष महोदय। ...(व्यवधान)...

(कांग्रेस के अनेक माननीय सदस्यों द्वारा अपनी सीटों से नारे)

नियम 295 के अन्तर्गत प्राप्त विशेष उल्लेख की सूचनाएं

श्री अध्यक्ष: प्रक्रिया के नियम 295 के अन्तर्गत प्राप्त सूचनाएं।

(1) श्री अभिषेक मटोरिया, सदस्य की ओर से जिला हनुमानगढ़ मुख्यालय यपर राजस्व अपील प्राधिकारी का पद रिक्त होने से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में।

(2) श्री हनुमान बेनीवाल, सदस्य की ओर से प्रबोधकों, शिक्षा सहयोगी, पैराटीचर, शिक्षाकर्मी, लोक जुम्बिश कर्मी, मदरसा कर्मियों की विभिन्न मांगों के सम्बन्ध में।

(3) प्रोफेसर वासुदेव देवनानी, सदस्य की ओर से जिला अजमेर के पुष्कर में रावत समाज के व्यक्तियों की हत्याओं से उत्पन्न आक्रोश के सम्बन्ध में।

(4) श्री जीवाराम चौधरी, सदस्य की ओर से तहसील सांचौर में काश्तकारों को अफीम की खेती के पट्टे जारी किये जाने के सम्बन्ध में।

(5) श्री ज्ञानदेव आहूजा, सदस्य की ओर से विधान सभा क्षेत्र रामगढ़, अलवर में भारी ओलावृष्टि से फसलों को हए नुकसान का मुआवजा देने के सम्बन्ध में।

(6) श्री केसाराम चौधरी, सदस्य की ओर से पाली जिले की तहसील देसूरी में जवाली नदी पर धारिया बाँध का जीर्णोद्धार कर सुदृढ़ीकरण करने के सम्बन्ध में।

(7) श्री ज्ञानचंद पारख, सदस्य की ओर से विधवा, तलकाशुदा एवं परित्यक्ता अप्रशिक्षित शिक्षिकाओं का मानदेय बढ़ाने के सम्बन्ध में।

(8) श्री अब्दुला सगीर खां, सदस्य की ओर से धौलपुर हाइटेक प्रशीजन ग्लास लिमिटेड के कर्मचारियों की मांगों के सम्बन्ध में।

(9) श्री गणेश सिंह परमार, सदस्य की ओर से विधान सभा क्षेत्र कुम्भलगढ़ की लम्बित जल प्रदाय योजना बेडच का नाका को शुरू कराये जाने के सम्बन्ध में।

(10) श्रीमती जाहिदा खान, सदस्य की ओर से विधान सभा क्षेत्र कामां में निर्माण सामग्री के अभाव में विधायक निधि, महानरेगा योजना सहित अन्य योजनाओं के कार्यों में आ रही बाधा के सम्बन्ध में।

(11) श्री अजय सिंह, सदस्य की ओर से विधान सभा क्षेत्र बाड़मेर के गांवों में विद्युत विभाग द्वारा हाइटेंशन लाईनें नीति विरुद्ध डालने के सम्बन्ध में।

(12) श्री मेवाराम जैन, सदस्य की ओर से विधान सभा क्षेत्र बाड़मेर के गांवों में विद्युत विभाग द्वारा हाइटेंशन लाईनें नीति विरुद्ध डालने के सम्बन्ध में। ...(व्यवधान)...

माननीय सदस्यों को उनके द्वारा दी गई सूचना को पढ़ने की अनुमति होगी। ...(व्यवधान)...

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): लोकतंत्र में कोई यकीन नहीं है, सोची-समझी ...(व्यवधान)... इनको माफी मांगनी चाहिए इस सदन से और राजस्थान की 6 करोड़ जनता से ...(व्यवधान)... इनको बताना चाहिए कि इन्होंने सदन के नेता को क्यों नहीं बोलने दिया? क्यों इन्होंने यह एक षड्यंत्रपूर्वक एक तरह की कार्यवाही की है? यह राजस्थान की निर्वाचित सरकार को बोलने का अधिकार छीनना चाहते हैं ...(व्यवधान)... इस तरह का कोई स्थान नहीं है। ...(व्यवधान)... माननीय अध्यक्ष महोदय, तीन साल बाद सत्ता में आने के बाद ...(व्यवधान)... माननीय अध्यक्ष महोदय, आप भी शामिल हैं, मुख्यमंत्री जी भी शामिल हैं, सदन के 96 माननीय सदस्यों को देख लेने की धमकी, यह कोई मामूली घटना नहीं है और इस तरह की धमकियों से हम डरने वाले नहीं हैं। ...(व्यवधान)...

अनेक माननीय सदस्य: माफी मांगों।

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): इनके राज में जो घोटाले हुए हैं 22,500 करोड़ के उनकी चर्चा होगी, इन्होंने निहत्थे किसानों को, 100 किसानों को मारा, गोलियों से भून दिया, उस पर चर्चा होगी। ...(व्यवधान)...

श्री अध्यक्ष: माननीय मंत्री जी। ...(व्यवधान)...

श्री शांती कुमार धारीवाल (गृह मंत्री): आप हाउस को आर्डर में तो लो ...(व्यवधान)...

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्य, कृपया आप विराज जाएं। ...(व्यवधान)...

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): इन्होंने जो गलतियां कीं, वो चर्चा होगी। यह तो अपना जवाब भी इस तरह से, यह तो ऐसे वक्तव्य कर रही थीं जैसे आज भी यह मुख्यमंत्री हैं ...(व्यवधान)...

पर्ची के माध्यम से उठाये गये मुद्दे

श्री अध्यक्ष: आज दिनांक 17.03.2011 को 20 पर्चियां प्राप्त हुईं जिनमें से शलाका द्वारा 4 पर्चियां निकाली गई, जो निम्न प्रकार हैं: श्री बंशीधर खण्डेला, श्री रामनाराण मीणा, श्री राजकुमार रिणवा, श्री ग्यारसाराम कोली। ...(व्यवधान)...

ध्यानाकर्षण प्रस्ताव

ध्यानाकर्षण प्रस्ताव। राजस्थान विधान सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन सम्बन्धी नियमों के नियम- 131 के अन्तर्गत श्री अमराराम, सदस्य, विधान सभा राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा ग्राम कुडली (शिवसिंहपुरा, सीकर) में आवासीय योजना हेतु अवाप्त भूमि में से कुछ भूमि को अवाप्त मुक्त करने से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री का ध्यान आकर्षित करेंगे। ...(व्यवधान)...

श्री अमराराम (दांतारामगढ़): अध्यक्ष महोदय ...(व्यवधान)...

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): जिन लोगों ने 2003-04 के बीच में ...(व्यवधान)... इनका इतिहास पापों से भरा पडा है, +++, राजस्थान के मासूम किसानों को गोली का घाट उतारा है, जिन्होंने राजस्थान में भ्रष्टाचार की गंगा बहायी है, जिन्होंने लोकतंत्र की हत्या की है और आज प्रतिपक्ष में बैठ कर के इनके सत्ता का मद खतम नहीं हुआ ...(व्यवधान)... तीन साल पहले धमकी देने की जो वारदात है, यह इनकी लोकतंत्र ...(व्यवधान)... का प्रतीक है। ...(व्यवधान)...

(कांग्रेस के अनेक माननीय सदस्यों द्वारा अपनी सीटों से नारे)

सदन पटल पर रखे गये पत्र

अधिसूचनाएं

वित्त विभाग

श्री अध्यक्ष: श्री शांती कुमार जी धारीवाल, गृह मंत्री वित्त विभाग की 6 अधिसूचनाएं सदन की मेज पर रखेंगे। ...(व्यवधान)...

श्री शांती कुमार धारीवाल (गृह मंत्री): अध्यक्ष महोदय, मैं कार्य सूची में किये गये उल्लेख के अनुसार निम्नांकित 6 अधिसूचनाएं सदन की मेज पर रखता हूं:-

अधिसूचना संख्या: प.12(25)वित्त/कर/11-159 दिनांक 15.3.2011 जिसके द्वारा राजस्थान मूल्य परिवर्धित कर अधिनियम, 2003 की अनुसूची-I में संशोधन किया गया है ;

अधिसूचना संख्या: प.12(25)वित्त/कर/11-160 दिनांक 15.3.2011 जिसके द्वारा राजस्थान मूल्य परिवर्धित कर अधिनियम, 2003 की अनुसूची-II में संशोधन किया गया है ;

अधिसूचना संख्या: प.12(25)वित्त/कर/11-161 दिनांक 15.3.2011 जिसके द्वारा राजस्थान मूल्य परिवर्धित कर अधिनियम, 2003 की अनुसूची-III में संशोधन किया गया है ;

अधिसूचना संख्या: प.12(25)वित्त/कर/11-162 दिनांक 15.3.2011 जिसके द्वारा राजस्थान मूल्य परिवर्धित कर अधिनियम, 2003 की अनुसूची-IV में संशोधन किया गया है ;

अधिसूचना संख्या: प.12(25)वित्त/कर/11-163 दिनांक 15.3.2011 जिसके द्वारा हस्तनिर्मित गलीचों के विनिर्माताओं द्वारा राज्य में हस्तनिर्मित गलीचों के विनिर्माण में प्रयुक्त समस्त प्रकार के धागे के क्रय को सशर्त छूट प्रदान की गई है ; एवं

अधिसूचना संख्या: प.12(25)वित्त/कर/11-164 दिनांक 15.3.2011 जिसके द्वारा पंजीकृत टैन्ट व्यवहारियों के लिये कम्पोजिशन स्कीम, 2011 अधिसूचित की गई है ।

श्री अध्यक्ष: श्री भरत सिंह, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री पंचायती राज विभाग की एक अधिसूचना सदन की मेज पर रखेंगे।

पंचायती राज विभाग

श्री भरत सिंह कुन्दनपुर (ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री): अध्यक्ष महोदय, मैं पंचायती राज विभाग की अधिसूचना संख्या एफ.(7)संशो/नियम/विधि/पंरा/2010/450 दिनांक 15.3.2011 जिसके द्वारा राजस्थान पंचायती राज नियम, 1996 में संशोधन किया गया है, सदन की मेज पर रखता हूं।

श्री अध्यक्ष: श्री गुरमीत सिंह कुन्नर, कृषि विपण्न राज्य मंत्री कृषि विपणन विभाग की 13 अधिसूचनाएं सदन की मेज पर रखेंगे।

श्री गुरमीत सिंह कुन्नर (कृषि विपणन राज्यमंत्री) मैं कृषि विपणन विभाग की निम्नांकित 13 अधिसूचनाएं सदन की मेज पर रखता हूं :-

कृषि विपणन विभाग

अधिसूचना संख्या: प.4(50)कृषि/ग्रुप-2/97 दिनांक 20.5.2010 जिसके द्वारा राजस्थान कृषि उपज मण्डी नियम, 1963 में संशोधन किया गया है ;

अधिसूचना संख्या: प.15(36)कृषि/ग्रुप-2/92-पार्ट दिनांक 27.5.2010 जिसके द्वारा राजस्थान मण्डी कर्मचारी कल्याण निधि नियम, 1993 में संशोधन किया गया है ;

अधिसूचना संख्या: प.15(24)कृषि/ग्रुप-2/85-पार्ट दिनांक 22.6.2010 जिसके द्वारा राजस्थान कृषि उपज मण्डी (मण्डी समिति कर्मचारी) सेवा
नियम, 1975 में संशोधन किया गया है ;

अधिसूचना संख्या:प.4(9)कृषि/ग्रुप-2/09/(नीति-2010) दिनांक 9.7.2010 जिसके द्वारा कृषि प्रसंस्करण एवं कृषि व्यवसाय प्रोत्साहन नीति, 2010 के अन्तर्गत कृषि प्रसंस्करण उद्यमों को मण्डी शुल्क से मुक्त किया गया है ;

अधिसूचना संख्या:प.4(9)कृषि/ग्रुप-2/09/(नीति-2010) दिनांक 9.7.2010 जिसके द्वारा कृषि प्रसंस्करण एवं कृषि व्यवसाय प्रोत्साहन नीति, 2010 के अन्तर्गत कृषि प्रसंस्करण एवं कृषि व्यवसाय उद्यमों को मण्डी शुल्क उदग्रहण से मुक्त किया गया है ;

अधिसूचना संख्या:प.4(36)कृषि/ग्रुप-2/2003-पार्ट दिनांक 28.10.2010 जिसके द्वारा राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना, 2003 के अन्तर्गत स्थापित इकाइयों के आधुनिकीकरण/विस्तार/विविधिकरण के लिये किये गये निवेश पर मण्डी शुल्क पर 50 प्रतिशत की छूट प्रदान की गई है ;

अधिसूचना संख्या:प.4(36)कृषि/ग्रुप-2/2003-पार्ट दिनांक 28.10.2010 जिसके द्वारा राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना, 2010 के तहत स्थापित इकाइयों को आधुनिकीकरण/विस्तार/विविधिकरण एवं रूग्ण इकाइयों के पुनर्जीवन प्रोत्साहन हेतु किये गये निवेश पर मण्डी शुल्क पर 50 प्रतिशत की छूट प्रदान की गई है ;

अधिसूचना संख्या:प.1(19-सी)डीएएम/रेग्युलेशन/2005 दिनांक 19.1.2011 जिसके द्वारा राजस्थान कृषि उपज मण्डी नियम, 1963 में संशोधन किया गया है ;

अधिसूचना संख्या:प.1(19-सी)डीएएम/रेग्युलेशन/2005 दिनांक 23.2.2011 जिसके द्वारा अधिसूचना संख्या:प.1(19-सी)डीएएम/रेग्युलेशन/2005 दिनांक 19.1.2011 में संशोधन किया गया है ;

अधिसूचना संख्या:प.7(32)कृषि-ग्रुप-2/90 दिनांक 24.2.2011 जिसके द्वारा राजस्थान कृषि उपज मण्डी (मण्डी समिति कर्मचारी) सेवा नियम, 1975 में संशोधन किया गया है ;

अधिसूचना संख्या:प.4(22)कृषि-ग्रुप-2/2008 दिनांक 25.2.2011 जिसके द्वारा राजस्थान कृषि उपज मण्डी नियम, 1963 में संशोधन किया गया है ;

अधिसूचना संख्या:प.4(22)कृषि/ग्रुप-2/2008 दिनांक 25.2.2011 जिसके द्वारा राजस्थान कृषि उपज विपणी नियम, 1963 में संशोधन किया गया
है ; एवं

अधिसूचना संख्या:प.4(22)कृषि/ग्रुप-2/2008 दिनांक 1.3.2011 जिसके द्वारा समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 01 मार्च, 2011 में संशोधन किया गया है ;

श्री मदन प्रजापत (पचपदरा): माफी मांगें, माफी मांगो ...(व्यवधान)...

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): यह महिला, महिला होने का दावा कर रही हैं, मेरी पत्नी एक साधारण महिला हैं ...(व्यवधान)... इस तरह से टिप्पणियां ...(व्यवधान)... माननीय अध्यक्ष महोदय, इनको शर्म आनी चाहिए, इन्होंने तब भी माफी नहीं मांगी, यह आज भी माफी नहीं माग रहे ...(व्यवधान)... इनके इरादे ...(व्यवधान)...

एक माननीय सदस्य: यह लोकतंत्र का मंदिर है, काई तानाशाही का ...(व्यवधान)...

श्री गजेन्द्र सिंह शक्तावत (वल्लभ नगर): माफी मांगो। ...(व्यवधान)...

श्री राजेन्द्र राठौड़ (तारानगर): सदन के अन्दर व्यवस्था दी ...(व्यवधान)...

एक माननीय सदस्य: माननीय सदस्य को धमकाया और वसुन्धरा जी माफी मांगे। ...(व्यवधान)...

श्री राजेन्द्र राठौड़ (तारानगर): सदन को चलने नहीं देना चाहते ...(व्यवधान)...

Ars/usc/1320/17032011/1p/1

डा. रघु शर्मा (केकड़ी):...(व्यवधान)... यह राजस्थान की छह करोड़ जनता को धमकाना चाहती हैं ...(व्यवधान)...यह हमको धमकाना चाहती हैं ...(व्यवधान)... यह राजस्थान के निर्वाचित प्रतिनिधियों को धमकाना चाहती हैं ...(व्यवधान)...

समिति का प्रतिवेदन

कार्य सलाहकार समिति (क्रम सं0 15)

श्री वीरेन्द्र बेनीवाल (मुख्य सचेतक): अध्यक्ष महोदय, कार्य सलाहकार समिति की बैठक बुधवार, दिनांक 16 मार्च, 2011 को मध्यान्ह पश्चात 4.00 बजे माननीय अध्यक्ष के वैश्म में हुई। समिति ने अपने चौदहवें प्रतिवेदन में संशोधन करते हुए यह निर्णय लिया कि दिनांक 18 मार्च, 2011 से 04 अप्रैल, 2011 तक सदन में अग्रेत्तर लिये जाने वाले कार्य का बंटवारा निम्न प्रकार किया जाय:-

एक माननीय सदस्य: अध्यक्ष महोदय, मांफी मंगवाएं। ...(व्यवधान)...

श्री राजेन्द्र राठौड़ (तारानगर): सभी माननीय सदस्यों ने इसका बहिष्कार किया था ...(व्यवधान)...

शुक्रवार दिनांक 18 मार्च, 2011 (1) अनुपूरक अनुदान की मांगे वर्ष 2010-2011 का मुखबन्द का प्रयोग किया जाकर मतदान एवं पारण तथा तत्संबंधी राजस्थान विनियोग (संख्या-1) विधेयक, 2011 का पुर:स्थापन, उस पर विचार एवं पारण।

(2) राजस्थान पंचायती राज(संशोधन) विधेयक, 2011 पर विचार एवं पारण।

(3) अनुदान की मांगों पर विचार एवं मतदान।

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): ...(व्यवधान)... यह घड़ियाली आंसू हैं ...(व्यवधान)... यह पाप से भरा हुआ घड़ा है ...(व्यवधान)...

शनिवार, दिनांक 19 मार्च, 2011

रविवार, दिनांक 20 मार्च, 2011 बैठक नहीं होगी।

सोमवार, दिनांक 21 मार्च, 2011

मंगलवार, दिनांक 22 मार्च, 2011 (1) राजस्थान नगरपालिका (संशोधन) विधेयक, 2011

(2) राजस्थान विश्वविद्यालयों के अध्यापक तथा अधिकारी (नियुक्ति के लिए चयन)(संशोधन) विधेयक, 2011

(3) रेफल्स विश्वविद्यालय, नीमराना(अलवर) विधेयक, 2011 एवं पर विचार एवं पारण

(4) अनुदान की मांगों पर विचार एवं मतदान।

(कांग्रेस के अनेक माननीय सदस्यों द्वारा अपनी सीटों से नारे)

बुधवार, दिनांक 23 मार्च, 2011 (1) राजस्थान उद्यम एकल खिड़की सामर्थ्यकारी और अनुज्ञापन विधेयक, 2011

(2) राजस्थान कृषि उपज मण्डी (संशोधन) विधेयक, 2011

(3) राजस्थान कृषि उपज मण्डी (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2011 एवं

(4) राजस्थान गैर सरकारी शैक्षिक संस्था (संशोधन) विधेयक, 2011 पर विचार एवं पारण

(5) अनुदान की मांगों पर विचार एवं मतदान।

एक माननीय सदस्य: ...(व्यवधान)... अध्यक्ष महोदय, प्रतिपक्ष की नेता से माफी मंगवाई जाए ...(व्यवधान)...

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): इनका पेट भरा नहीं है ...(व्यवधान)... पाप करने से, यह अत्याचार का प्रतीक है ...(व्यवधान)... यह भ्रष्टाचार का प्रतीक है और यह ...(व्यवधान)...

श्री मदन प्रजापत: माफी मांगो, माफी मांगो ...(व्यवधान)...

अनेक माननीय सदस्य: माफी मांगे, माफी मांगे ...(व्यवधान)... अध्यक्ष् महोदय माननीय सदस्य को धमकाया जा रहा है ...(व्यवधान)... वसुन्धरा जी माफी मांगे ...(व्यवधान)...

अनेक माननीय सदस्य: माफी मांगे, माफी मांगे ...(व्यवधान)...

गुरूवार, दिनांक 24 मार्च, 2011

शुक्रवार, दिनांक 25 मार्च, 2011 अनुदान की मांगों पर विचार एवं मतदान।

शनिवार, दिनांक 26 मार्च, 2011
रविवार, दिनांक 27 मार्च, 2011 बैठक नहीं होगी।

सोमवार, दिनांक 28 मार्च, 2011 अनुदान की मांगों पर विचार एवं मतदान।

(आय-व्ययक अनुमान वर्ष 2011-2012 से संबंधित अनुदान की शेष मांगें मुखबन्द का प्रयोग किया जाकर दिनांक 28 मार्च, 2011 को मतदान हेतु प्रस्तुत की जाएगी।

मंगलवार, दिनांक 29 मार्च, 2011 1. राजस्थान विनियोग(संख्या-2)विधेयक 2011 का पुर:स्थापन, उस पर विचार एवं पारण।
2. राजस्थान वित्त विधेयक, 2011 पर विचार एवं पारण।

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): इन्होंने आम आदमियों को दहशत और भय के वातावरण में जीने को मजबूर किया है ...(व्यवधान)... इस तरह के लोगों को ...(व्यवधान)... अध्यक्ष महोदय, सदन में मोहनलाल सुखाड़िया ...(व्यवधान)...

अनेक माननीय सदस्य: माफी मांगे, वसुन्धरा जी माफी मांगे, माफी मांगे ...(व्यवधान)...

श्री मदन प्रजापत: अध्यक्ष महोदय, माफी मंगवाओ।

(कांगेस के अनेक माननीय सदस्यों द्वारा अपनी सीटों से नारे।)

श्री मदन प्रजापत: अगर वसुन्धरा जी माफी मांगे तो अभी ...(व्यवधान)... हो जाए।

बुधवार, दिनांक 30 मार्च, 2011 राज्य में बिजली एवं प्राकृतिक आपदा की स्थिति पर विचार।

गुरूवार, दिनांक 31 मार्च, 2011 1. राजस्थान स्टाम्प(संशोधन) विधेयक, 2011
2. राजस्थान राजवित्तीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबन्ध(संशोधन) विधेयक, 2011
3. राजस्थान भूमि सुधार तथा जागीर पुनग्रर्हण(संशोधन) विधेयक,2011
4. राजस्थान अभिधृति(संशोधन) विधेयक, 2011 एवं
5. राजस्थान भू राजस्व (संशोधन) विधेयक, 2011

1. पर विचार एवं पारण।

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): किस तरह के लोग बैठे हैं प्रजातंत्र में ...(व्यवधान)... गलती से यह सरकार बन गये ...(व्यवधान)... तो लोगों का ...(व्यवधान)... यह सत्ता के ...(व्यवधान)...

2.

शुक्रवार दिनांक 1 अप्रेल, 2011	गैर सरकारी कार्य दिवस।
शनिवार, दिनांक 2 अप्रेल, 2011	
रविवार, दिनांक 03 अप्रेल, 2011	बैठक नहीं होगी।
सोमवार, दिनांक 04 अप्रेल, 2011	राज्य में पेयजल की स्थिति पर विचार।

(कांग्रेस के अनेक माननीय सदस्यों द्वारा अपनी सीटों से नारे।)

श्री अध्यक्ष: प्रश्न यह है कि यह सदन कार्य सलाहकार समिति के पन्द्रहवें प्रतिवेदन पर अपनी सहमति प्रकट करता है ...(व्यवधान)... जो पक्ष में हो, हां कहें।

अनेक माननीय सदस्य: हां। ...(व्यवधान)...

श्री अध्यक्ष: जो विपक्ष में हों, ना कहें। ...(व्यवधान)...

अनेक माननीय सदस्य: नो ।

श्री अध्यक्ष: हां पक्ष जीता, हां पक्ष जीता।...(व्यवधान)... कार्य सलाहकार समिति का पन्द्रहवां प्रतिवेदन स्वीकार किया गया। ...(व्यवधान)...

समिति के प्रतिवेदनों का उपस्थापन। ...(व्यवधान)... श्रीमती सूर्यकान्ता व्यास।

श्री घनश्याम तिवाड़ी (सांगानेर): नो, नो, नो ...(व्यवधान)... नोज हैव इट। ...(व्यवधान)...

अनेक माननीय सदस्य: नो, नो ...(व्यवधान)...

श्री गुलाब चन्द कटारिया (उदयपुर): वी वांट डिवीजन ...(व्यवधान)...

अनेक माननीय सदस्य: नोज हैव इट, नोज हैव इट ...(व्यवधान)...

श्री गुलाब चन्द कटारिया (उदयपुर): वी वांट डिवीजन ...(व्यवधान)...

श्री अध्यक्ष: सदन की कार्यवाही एक घण्टे के लिए स्थगित करता हूं।

(तदनन्तर सदन की बैठक 13.23 बजे एक घण्टे के लिए स्थगित हुई)

vns/usc/14.20/17.3.2011/2e/1

(14.23 बजे)

पुन: समवेत् होने पर

(मेजर ओ पी यादव, सभापति, पदासीन)

श्री घनश्याम तिवाड़ी (सांगानेर): माननीय सभापति महोदय, हमने डिवीजन क्लेम किया है..(व्यवधान)

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): माननीय सभापति महोदय, यह लोकतन्त्र की हत्या हुई है इस राजस्थान के अन्दर और यह प्रतिपक्ष लोकतन्त्र में कितना यकीन रखता है कि इनकी नेता ने जिस तरह का आचरण इस सदन के अन्दर किया वह इस राजस्थान की विधान सभा के इतिहास में शर्मसार करके रखा है ..(व्यवधान)

श्री घनश्याम तिवाड़ी (सांगानेर): सभापति महोदय, हमने डिवीजन क्लेम किया। डिवीजन। वी क्लेम डिवीजन..(व्यवधान)

श्री राजेन्द्र राठौड़ (तारानगर): सभापति महोदय, कार्य सलाहकार समिति के प्रतिवेदन पर क्लेम किया था..(व्यवधान) मतदान करवाया था हमने इस..(व्यवधान)

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): जिन लोगों का इतिहास ऐसा है हिन्दुस्तान के अन्दर..(व्यवधान) वह सत्ता..(व्यवधान) हथियाना चाहते हैं। चुनी हुई सरकार के मुखिया को चुनौती देना चाहते हैं। धमकाना चाहते हैं। यह अत्याचार और अन्याय है। यह बर्दाशत नहीं किया जायेगा। जिस तरह के हालात यह पैदा करना चाहते हैं इनको माफी मांगनी चाहिये..(व्यवधान)

श्री घनश्याम तिवाड़ी (सांगानेर): कार्य सलाहकार समिति के प्रतिवेदन पर जब हां और ना का था, उसमें हमने डिवीजन क्लेम किया और डिवीजन मांगना हमारा संवैधानिक अधिकार है इसलिये हम चाहते हैं आप इस पर मतदान कराइये..(व्यवधान)

श्री राजेन्द्र राठौड़ (तारानगर): हमने डिवीजन मांगा था सभापति महोदय। डिवीजन मांगना हमारा अधिकार है। कार्य सलाहकार समिति के प्रतिवेदन पर यह लोग पहली बार..(व्यवधान) , डा. रघु शर्मा (केकड़ी): सभापति महोदय, यह लोग एक तरह से गिरे हैं। गिरे हैं..(व्यवधान)

श्री वीरेन्द्र बेनीवाल (मुख्य सचेतक): सभापति महोदय, कार्य सलाहकार समिति के प्रतिवेदन पर जो बात हुई है। बी ए सी की रिपोर्ट पर जो बात आयी है..(व्यवधान) सहमति लिये जाने के बाद अध्यक्ष महोदय ने श्रीमती सूर्यकान्ता व्यास, सभापति जी का नाम पुकार लिया...(व्यवधान)

श्री राजेन्द्र राठौड़ (तारानगर): डिवीजन क्लेम किया। हमारा जो अधिकार है अमेंडमेंट देने का अधिकार..(व्यवधान)

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): सत्ता पर काबिज होना चाहते हैं..(व्यवधान)

श्री गुलाब चन्द कटारिया (उदयपुर): सभापति महोदय..(व्यवधान) साथ में हमने कहा हम कार्य सलाहकार समिति के इस प्रस्ताव से सहमत नहीं हैं। वी वांट डिवीजन और यह डिवीजन मांगना हमारा अधिकार है..(व्यवधान)

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): लोकतन्त्र में इस तरह की बात के लिये, लोकतन्त्र में कोई..(व्यवधान) मैं याद दिलाना चाहता हूं उनके शासन के दौरान की घटनाओं की जिस तरह

लोगों को मौत के घाट उतारा गया पाँच साल के अन्दर। जिस तरह के आरोप 22 हजारा करोड़ का घोटाला उन लोगों ने किया...(व्यवधान)

श्री गुलाब चन्द कटारिया (उदयपुर): आसन का यह परम कर्तव्य बनता है कि माननीय सदस्य जब डिवीजन मांगते हैं तो डिवीजन के लिये..(व्यवधान) करे और उसके बाद भी विपक्ष क्लेम करता है तो हाथों हाथ टाइप होता है..(व्यवधान) और डिवीजन के बाद विपक्ष को कितने मत मिले थे, कितने पक्ष में हैं..(व्यवधान) डा. रघु शर्मा (केकड़ी): भ्रष्टाचार की गंगा बहाई इस पवित्र राजस्थान के अन्दर..(व्यवधान)

श्रीमती ममता भूपेश (सिकराय): सभापति महोदय, माफी मंगवायी जाए..(व्यवधान)

श्री सभापति: कृपया..(व्यवधान)

श्री नगराज (धरियावद): लोकतन्त्र की हत्या हुई है..(व्यवधान)

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): मेरे परिवार की असुरक्षा करवा कर वह मरवाना चाहते हैं । अगर मैं अकेला असुरक्षित हूं...(व्यवधान) हमारी प्रार्थना है माफी मंगवायी जाए..(व्यवधान)

श्री गुलाब चन्द कटारिया (उदयपुर): और हम डिवीजन क्लेम चाहते हैं जिस कारण से यह कार्य सलाहकार समिति के..(व्यवधान)

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): यह सदन से माफी मांगे। इन्होंने प्रश्न बनाया है इस बात को..(व्यवधान) अकारण यह लोग इस सदन के अन्दर जिस तरह का वातावरण पैदा करना चाहते हैं। सरकार नहीं बना सकती है..(व्यवधान) जो फैंसला राजस्थान की 6 करोड़ जनता को लेना है उस फैंसले के बारे में यह दम भरते हैं लोकतन्त्र में जरा सा भी यकीन है तो माफी मांगो..(व्यवधान) शर्म के साथ कहो कि हमने गलत काम किया है..(व्यवधान) भय और आतंक का वातावरण बनाने की कोशिश की गयी है..(व्यवधान) यह लोग जिस तरह का वातावरण बनाते हैं। यह +++ आ गयी है इस सदन के अन्दर..(व्यवधान)

श्री गुलाब चन्द कटारिया (उदयपुर): आपके सामने सारी बात रखी हम डिवीजन क्लेम चाहते हैं इसलिये डिवीजन कराया जाए..(व्यवधान)

श्री राजेन्द्र राठौड़ (तारानगर): सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से प्रक्रिया के नियम 286 की याद दिलाना चाहता हूं। नियम 286 के तहत हमारा अधिकार है..(व्यवधान)

श्री सभापति: आसन पैरों पर है। आप हमेशा कहते हैं कि चेयर का मान करना चाहिये। आप चेयर का मान करें..(व्यवधान) आप कृपया बिराजिये। कृपया व्यवस्था बनाये रखिये मैं अपनी व्यवस्था..(व्यवधान)

श्री राजेन्द्र राठौड़ (तारानगर): मैं नियम की बात कर रहा हूं। आपको व्यवस्था देनी चाहिये। हमाने आसन से प्रार्थना की है..(व्यवधान) इसलिये मेरा निवेदन है लॉबी क्लियर कराइये, डिवीजन कराइये और डिवीजन के ऊपर..(व्यवधान)

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): माननीय सभापति महोदय, जिस तरह का असत्य यह बोलते हैं, अखबारों में कह रहे हैं कि मैं मजाक कर ही थी और इस सदन में आकर कह रहे हैं कि हम असत्य और निराधार बात कर रहे हैं। जिस चीज की गवाही 25 विधायकों ने दी है और बात

इन्होंने इस सदन के अन्दर कही है..(व्यवधान) मिथ्या बात करने वाली नेता प्रतिपक्ष की.;(व्यवधान) जितने ऊंचे पदों पर बैठे हुए हैं उन पदों के अनुरूप आप आचरण नहीं करेंगे तो यह..(व्यवधान)

श्री वीरेन्द्र बेनीवाल (मुख्य सचेतक): सभापति महोदय, आज इन बातों की ओर आप ध्यान दें कि जिस विषय को आप उठा रहे हैं वह विषय आपके सन्दर्भ में नहीं है..(व्यवधान)

श्री सभापति: कृपया बिराजिये। कृपया आप बिराजिये। व्यवस्था देने दीजिये। मैं खड़ा हुआ हूं। कृपया बिराजिये..(व्यवधान) मैंने व्यवस्था कोई नहीं दी है। अब आप अपनी जगह बैठे..(व्यवधान)

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): इनसे बिना शर्त माफी मंगवाइये..(व्यवधान)

श्री सभापति: यह मैं आपसे भी..(व्यवधान) कृपया बिराजिये..

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): इज्जत का प्रश्न बना रखा है..(व्यवधान) इस सदन से ऊपर कोई नहीं है। अगर कोई गलत करेगा तो गलती के लिये माफी मांगेगा..(व्यवधान)

श्री सभापति: आप कृपा करके..(व्यवधान) आप कोई व्यवस्था नहीं चाहते ? ठीक है..(व्यवधान)

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): इस सदन के अन्दर समझते हैं..(व्यवधान) यह राजस्थान की 6 करोड़ जनता से आप ..(व्यवधान) लाठी और गोली की बातों में..(व्यवधान) फिर लोगों को धमका रहे हैं। भय का आतंक का वातावरण बना रखा है। यह शर्म की बात है..(व्यवधान)

श्री सभापति: आप बताओ। आपके जो सदस्यगण हैं वह बिराजें..(व्यवधान)

श्री नगराज (धरियावद): माफी मंगवाओ..(व्यवधान)

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): तो यह सदन..(व्यवधान) किस तरह का वातावरण इन्होंने दिया है। यह नहीं चलेगा..(व्यवधान)

श्री सभापति: अगर आप व्यवस्था चाहते हैं तो कृपा बिराजिये। आसन पैरो पर है। कृपा बिराजिये..(व्यवधान)

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): इनसे माफी मंगवायी जाए..(व्यवधान)

श्री सभापति: मैं सचेतक महोदय से कहना चाहूंगा कि आप सदस्यों को कहें व्यवस्था देनी है तो..(व्यवधान)

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): माफी मंगवाइये। इज्जत का प्रश्न क्यों बना रखा है। जो गलती करेगा तो माफी मांगेगा..(व्यवधान) इज्जत का प्रश्न क्यों बना रखा है ? जिस तरह का आचरण..(व्यवधान)

श्री सभापति: व्यवस्था चाहते हैं आप इधर देखिये..(व्यवधान) मैंने कोई व्यवस्था नहीं दी हैं। मैंने डिवीजन के लिये कोई व्यवस्था नहीं दी है। कृपया आप बिराजें..(व्यवधान)

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): सभापति महोदय, यह मेरा प्रश्न है कि मुख्यमंत्री जी को इन्होंने बोलने नहीं दिया। यह षडयंत्र कर रहे हैं। यह षडयंत्रकारी लोग हैं..(व्यवघान)

श्री सभापति: मैंने कोई व्यवस्था नहीं दी है। ना ही डिवीजन क्लेम रिजेक्ट किया है, न असेप्ट किया है..(व्यवधान) आप व्यवस्था सुनें और बैठे। जब तक आप नहीं बैठेंगे आसन कोई व्यवस्था नहीं देगा। यह बहुत स्पष्ट है। आप बैठें। आसन का मान करें।

श्याम/चौहान 17.03.2011 14.30 2f

आप सुनिये, आप बैठिये, जब तक आप नहीं बैठेंगे आसन कोई व्यवस्था नहीं देगा ...(व्यवधान)... यह स्पष्ट है ...(व्यवधान)... आप बैठें, आसन का मान करें। आप कृपया बिराजें ...(व्यवधान)... आप कृपया बिराजें ...(व्यवधान)...

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): सभापति महोदय ...(व्यवधान)... माफी मंगवा दीजिये आप ...(व्यवधान)...

एक माननीय सदस्य: माफी मंगवायें ...(व्यवधान)...

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): माफी मंगवा दीजिये। क्या इज्जत का प्रश्न बना रखा है ...(व्यवधान)... अगर आप सरे आम सदन के अंदर पूरे के पूरे सत्ता पक्ष को धमकाने का दु:साहस कर सकते हैं और फिर माफी मांगने के लिये तैयार भी नहीं हैं। यह कैसा आचरण है। यह सामंती आचरण नहीं तो क्या आचरण है। सभापति महोदय, मैं पूछना चाहता हूं ...(व्यवधान)...

श्री राजेन्द्र राठौड़ (तारानगर): नो, नो ...(व्यवधान)...

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): यह लोकतंत्र को बंदूक की नोक पर चलाना चाहते हैं ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: मैं एक बार फिर सदन से निवेदन कर रहा हूं ...(व्यवधान)... कृपया बिराजें, मैं व्यवस्था दे रहा हूं ...(व्यवधान)...

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): इनका विश्वास लोकतंत्र में नहीं है ...(व्यवधान)... यह माफी मांगे ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: कृपया बिराजें।

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): सभापति महोदय, इनको शर्म आनी चाहिये। यह लोकतंत्र के हत्यारे क्यों बन रहे हैं इस सदन के अंदर ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: मैं व्यवस्था देने के लिए बाध्य हूं आपके निवेदन पर, आप कृपया बिराजें ...(व्यवधान)...

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): जिन लोगों ने निर्दोष लोगों का खून इस राजस्थान के अंदर बहाया हो, जिन लोगों का इतिहास काला रहा हो ...(व्यवधान)... जिन्होंने बंदूक की गोलियां बरसायी हो ...(व्यवधान)... राजस्थान के मासूम लोगों पर ...(व्यवधान)... 22500 करोड़ का घोटाला मामूली घोटाला नहीं है ...(व्यवधान)... भ्रष्टाचार की नदियां बह गयी। इनके मंत्री कहते थे, इनकी पार्टी के नेता ने 5 हजार करोड़ का घोटाला लगाया। भैरोंसिंह शेखावत जो

आज इस दुनिया में नहीं हैं, उप राष्ट्रपति रहे इस देश के, तीन बार मुख्यमंत्री रहे राजस्थान के ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: आप कृपया बिराजें, मैं दे रहा हूं व्यवस्था ...(व्यवधान)...

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): उन्होंने आरोप लगाया कि 22500 करोड़ जो प्रदेश की जनता की गाढ़ी कमाई है ...(व्यवधान)... इन्होंने दोनों हाथों से लूटा है ...(व्यवधान)...

श्री पानाचन्द (बारां-अटरू): 22500 करोड़ का ...(व्यवधान)...

श्री राजेन्द्र राठौड़ (तारानगर): यह कौनसे नियमों में ...(व्यवधान)...

श्री करणसिंह (छबड़ा): राजस्थान की जनता को लूट लिया है ...(व्यवधान)... बोर्डर को बेचने वाले ...(व्यवधान)...

श्री अर्जुन सिंह बामनिया (बांसवाड़ा): आपकी गरिमा के खिलाफ है, 90 बी के नाम पर घोटाले करने वाले ...(व्यवधान)... गुर्जरों पर गोली चलाने वाले ...(व्यवधान)...

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): कोई अधिकार नहीं है ...(व्यवधान)...

श्री करणसिंह (छबड़ा): अत्याचार करने वाले ...(व्यवधान)...

श्री राधेश्याम गंगानगर (श्रीगंगानगर): बैठें श्रीमान ...(व्यवधान)...

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): अपमानजनक टिप्पणी की गयी है ...(व्यवधान)...

डा. दिगम्बर सिंह (डीग-कुम्हेर): +++ ...(व्यवधान)...

श्री ओम बिरला (कोटा दक्षिण): चुप हो जो ...(व्यवधान)... विधान सभा में पहली बार ...(व्यवधान)...

डा. दिगम्बर सिंह (डीग-कुम्हेर): +++ ...(व्यवधान)... +++ ...(व्यवधान)...

श्री वीरेन्द्र बेनीवाल (मुख्य सचेतक): राजस्थान की 6 करोड़ जनता देख रही है ...(व्यवधान)...

डा. दिगम्बर सिंह (डीग-कुम्हेर): +++ ...(व्यवधान)...

अनेक माननीय सदस्य: +++ ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: अगर आप व्यवस्था चाहते हैं तो आप बिराजिये ...(व्यवधान)... मैं व्यवस्था दे रहा हूं ...(व्यवधान)... आप बिराजेंगे नहीं तो मैं व्यवस्था नहीं दूंगा ...(व्यवधान)...

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): इस तरह से कर रहे हैं ...(व्यवधान)... सभापति महोदय, इस तरह की स्थितियां लोकतंत्र में आयी हैं ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: आप बिराजिये, आप बिराजिये ...(व्यवधान)...

अनेक माननीय सदस्य: +++ ...(व्यवधान)...

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): विचारों की धज्जियां उड़ा दी और आज यह सदन के अंदर बोलना चाहते हैं ...(व्यवधान)... यह लोग किसानों को लूटते ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: मेरे समझ में एक बात नहीं आ रही है ...(व्यवधान)...

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): किसानों की हत्या ...(व्यवधान)...

डा. दिगम्बर सिंह (डीग-कुम्हेर): +++ ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: मैंने आपका जो निवेदन है उसको ना तो रिजेक्ट किया है ना एक्सेप्ट किया, मैं व्यवस्था दे रहा हूं ...(व्यवधान)...

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): राजस्थान का जन-जीवन दो-दो महीने ठप्प रहा है ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: आप बिराजें, यह मेरा निवेदन है Please take your seats. In case if you are interested to run the House then please take your seats. This is my request to you.. मैं फिर एक बार स्पष्ट कर रहा हूं कि अगर आप बिराजेंगे नहीं तो मैं व्यवस्था देने में असमर्थ रहूंगा। कृपया बिराजें, व्यवस्था सुनें, मैं व्यवस्था दे रहा हूं। That's better.

अध्यक्षीय व्यवस्था

श्री घनश्याम तिवाड़ी, सदस्य, विधान सभा द्वारा कार्य सलाहकार समिति के पन्द्रहवें प्रतिवेदन पर सदन द्वारा सहमति प्रदान किये जाने के संबंध में मतदान (डिवीजन) की मांग की गयी थी।

कार्य सलाहकार समिति के पन्द्रहवें प्रतिवेदन पर सदन द्वारा सहमति प्रदान किये जाने के पश्चात् मैंने महिला एवं बालकों के कल्याण संबंधी समिति, 2010-2011 के दो प्रतिवेदनों को ...(व्यवधान)... सदन में उपस्थापित किये जाने हेतु श्रीमती सूर्यकान्ता व्यास, सभापति, महिला एवं बालकों के कल्याण संबंधी समिति ...(व्यवधान)... का नाम पुकार लिया था। अत: श्री घनश्याम तिवाड़ी, सदस्य, विधान सभा द्वारा कार्य सलाहकार समिति के पन्द्रहवें प्रतिवेदन पर की गयी मतदान की मांग को मैं अस्वीकार करता हूं।

(प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यों का सदन कूप में प्रवेश)

श्री घनश्याम तिवाड़ी (सांगानेर): नो, नो ...(व्यवधान)...

श्री राजेन्द्र राठौड़ (तारानगर): नो, नो ...(व्यवधान)... अन्याय है ...(व्यवधान)...

श्री वीरेन्द्र बेनीवाल (मुख्य सचेतक): यह लोकतंत्र है ...(व्यवधान)...

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): यह आसन को डिक्टेट करना चाहते हैं ...(व्यवधान)... सभापति महोदय, यह लोग लोकतंत्र में यकीन नहीं रखते हैं ...(व्यवधान)... मैंने पहले ही कहा था ...(व्यवधान)...

श्री वीरेन्द्र बेनीवाल (मुख्य सचेतक): अमर्यादित व्यवहार करने वाले ...(व्यवधान)... सदस्यों को परंपराओं का निर्वहन ...(व्यवधान)...

श्री महेन्द्र चौधरी (नावां): अध्यक्ष महोदय, आसन को धमकाने की कोशिश की जा रही है। विधायकों को धमकाने की कोशिश की जा रही है ...(व्यवधान)... जनता को धमकाने की कोशिश की जा रही है ...(व्यवधान)...

श्रीमती ममता भूपेश (सिकराय): आसन के ऊपर ऊंगली उठायी जा रही है ...(व्यवधान)...

श्री घनश्याम तिवाड़ी (सांगानेर): वी वांट डिवीजन ...(व्यवधान)...

श्रीमती ममता भूपेश (सिकराय): अशोभनीय आचरण है ...(व्यवधान)...

श्री महेन्द्र चौधरी (नावां): आसन को धमकाने की कोशिश की जा रही है ...(व्यवधान)...

श्री वीरेन्द्र बेनीवाल (मुख्य सचेतक): नजर आ रहा है ...(व्यवधान)...

एक माननीय सदस्य: ओम बिरला जी, चुटकियों से काम नहीं चलेगा अब ...(व्यवधान)...

श्री ओम बिरला (कोटा दक्षिण): पराकाष्ठा है अब ...(व्यवधान)...

श्री वीरेन्द्र बेनीवाल (मुख्य सचेतक): जो किया गया उससे नाखुश होकर के ...(व्यवधान)...

श्री पानाचन्द (बारां-अटरू): आसन को धमकाया जा रहा है ...(व्यवधान)... आसन को धमकाया जा रहा है ...(व्यवधान)...

श्रीमती ममता भूपेश (सिकराय): आसन का सम्मान किया जाये ...(व्यवधान)...

श्री पानाचन्द (बारां-अटरू): ऐसे नहीं चलेगा अब ...(व्यवधान)...

एक माननीय सदस्य: आप कुर्सी छोड़ें ...(व्यवधान)...

श्री करणसिंह (छबड़ा): आसन का सम्मान करना सीखें ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: The House is adjourned for half an hour. सदन की कार्यवाही आधे घंटे के लिए स्थगित की जाती है।

(तदनन्तर सदन की बैठक 14.35 बजे आधा घण्टे के लिए स्थगित हुई।)

jyg/usc/17.3.11/15.00/2j

(15.05 बजे)

पुन: समवेत् होने पर

(श्री सुरेन्द्र सिंह जाड़ावत, सभापति, पदासीन)

श्री सभापति: सदन की बैठक आधा घण्टे के लिए स्थगित की जाती है।

(तदनन्तर सदन की बैठक 15.05 बजे आधा घण्टे के लिए स्थगित हुई।)

मोहन/चौहान/17032011/1530/2m

(15.35 बजे)

पुन: समवेत् होने पर

(श्री सुरेन्द्र सिंह जाड़ावत, सभापति, पदासीन)

श्री सभापति: श्रीमती सूर्यकांता व्यास - अनुपस्थित।

श्री शंकरलाल अहारी।

समिति का प्रतिवेदन

अनुसूचित जनजाति कल्याण समिति (क्रम सं0 5)

श्री शंकर लाल अहारी (चौरासी): सभापति महोदय, मैं आपकी अनुमति से अनुसूचित जनजाति कल्याण समिति, 2007-08 बारहवीं विधान सभा में समाविष्ट राज्य के भरतपुर, सवाईमाधोपुर, करौली एवं दौसा जिलों के दिनांक 2.2.2006 से 7.2.2006 तक के तत्स्थानीय अध्ययन दौरे के संबंध में जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग से संबंधित सिफारिशों पर राज्य सरकार के द्वारा की गई कार्यवाही विषयक समिति के पांचवें परिपालनात्मक प्रतिवेदन का उपस्थापना करता हूं।

याचिकाओं का उपस्थापन

श्री सभापति: याचिकाओं का उपस्थापन।

श्री पवन दुग्गल - अनुपस्थित।

श्री बाबूलाल खराड़ी - अनुपस्थित।

श्री हरिसिंह रावत - अनुपस्थित।

श्री जगसीराम - अनुपस्थित।

श्री रामनारायण मीणा- अनुपस्थित।

घोषणा/व्यवस्था

अनुदानों की मांगों पर कटौती प्रस्ताव प्रस्तुत करने की प्रक्रिया

अनुदानों की मांगों पर विचार करने से पूर्व मैं माननीय सदस्यों का ध्यान इस संबंध में कुछ वर्षों से अपनाई जाने वाली पद्धति की ओर आकर्षित करना चाहूंगा। यह सदन की परम्परा रही है कि जितने भी कटौती प्रस्ताव जिस दिन की मांग आती है, जो प्रस्तुत होते

हैं, वे मान लिये जाते हैं कि इस सदन में पेश हो गये हैं और बोलने के लिए उन्हीं माननीय सदस्यों को इजाजत दी जाती है जिनके नाम विभिन्न दलों के सचेतक महोदय और उप मुख्य सचेतक महोदय द्वारा आसन को प्रस्तुत किये जाते हैं। विभिन्न दलों के सचेतक और मुख्य सचेतक महोदय बोलने के लिए प्राथमिकता उन्हीं माननीय सदस्यों को दें, जिन माननीय सदस्यों के कटौती प्रस्ताव हैं, ऐसा मेरा अनुरोध है। जब मांग मतदान के लिए आती है, उस समय भी स्वत: ही मान लिया जाता है कि वह कटौती प्रस्ताव जो प्रस्तुत किये गये हैं, वापस लिये गये हैं। यह परम्परा इस सदन की रही है। जिस माननीय सदस्य का नाम पुकारा जाए, वे अपने सारे कटौती प्रस्तावों पर एक साथ ही उस समय बोलने की कृपा करें। किसी पार्टी के माननीय नेता द्वारा अन्य प्रमुख सदस्य, जिनकी पार्टी की ओर से बोलना चाहें, वे भी अपने विचार व्यक्त कर सकेंगे। माननीय सदस्यों को यह भी ज्ञात होगा कि मांगों पर बहस के दौरान उठाये गये प्रश्नों के उत्तर मंत्री महोदय द्वारा उसी दिन दिये जाएंगे और उसके बाद उन मांगों पर मतदान होगा। जिन कटौती प्रस्तावों के संबंध में माननीय सदस्यों को समयाभाव के कारण उत्तर न मिल सके, उनके लिखित उत्तर संबंधित माननीय सदस्यों को सरकार की ओर से मिल जाएं, ऐसा मेरा निवेदन है।

अनुदान की मांग
मांग संख्या 37 – कृषि की प्रस्तुति

श्री हरजीराम बुरड़क।

श्री हरजीराम बुरड़क (कृषि मंत्री): सभापति महोदय, मैं आपकी अनुमति से प्रस्ताव करता हूं कि मांग संख्या-37 कृषि के संबंध में 31 मार्च, 2012 को समाप्त होने वाले वर्ष में किये जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रुपये 11,14,55,55,000/-(ग्यारह अरब चौदह करोड़ पचपन लाख पचपन हजार) तक की राशि प्रदान की जाए। ......(व्यवधान)......

श्री सभापति: 39वां भी बोल दें।

मांग संख्या 39 – पशुपालन एवं चिकित्सा की प्रस्तुति

श्री हरजीराम बुरड़क (कृषि मंत्री): सभापति महोदय, मैं आपकी अनुमति से प्रस्ताव करता हूं कि मांग संख्या-39 पशुपालन एवं चिकित्सा के संबंध में 31 मार्च, 2012 को समाप्त होने वाले वर्ष में किये जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रुपये 3,43,46,05,000/- (तीन अरब तियालीस करोड़ छियालीस लाख पाँच हजार) तक की राशि प्रदान की जाए।

श्री सभापति: बाबूलाल जी नागर।

Skp/akt/17.03.2011/15.40/2n

मांग संख्या 32 – नागरिक आपूर्ति की प्रस्तुति

श्री बाबूलाल नागर (राज्य मंत्री, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति): माननीय सभापति महोदय, मैं आपकी अनुमति से प्रस्ताव करता हूं कि मांग संख्या 32 – नागरिक आपूर्ति के सम्बन्ध में 31 मार्च, 2012 को समाप्त होने वाले वर्ष में किये जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रुपये 3,06,72,07,000/- (तीन अरब छह करोड़ बहत्तर लाख सात हजार) तक की राशि प्रदान की जाए।

श्री हरजीराम बुरड़क (कृषि मंत्री): माननीय सभापति महोदय, मैं आपकी अनुमति से प्रस्ताव करता हूं कि मांग संख्या 37 और मांग संख्या 39 पारित की जाए।

श्री बाबूलाल नागर (राज्य मंत्री, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति): माननीय सभापति महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं कि मांग संख्या 32 – नागरिक आपूर्ति पारित की जाए।

श्री शांती कुमार धारीवाल (गृह मंत्री): सभापति महोदय, मेरा एक निवेदन है। इतनी महत्वपूर्ण अनुदान की मांगें आज सदन में प्रस्तुत की गई हैं, यह बड़ी दुखद घटना है कि प्रतिपक्ष के नेता और प्रतिपक्ष के सदस्यगण आज यहां पर उपस्थित नहीं है। मैं यह समझ कर के चलता हूं यह सब कुछ जो कुछ है, यह सदन की कार्यवाही को स्थगित करते हुए और अपना झूठा विरोध जाहिर करवाने के लिए यह सब कुछ नाटक किया गया है। हम पुरजोर रूप से इसकी आलोचना करते हैं कि वो क्यों नहीं शामिल हैं। एक तरफ तो वो कहते हैं कि हम सदन चलाना चाहते हैं और दूसरी तरफ यहां पर गायब होकर बाहर बैठकर के इसका बहिष्कार कर रहे हैं। बिना किसी कारण के, सदन में जिस प्रकार से प्रतिपक्ष की नेता ने जिस प्रकार से माननीय रघु शर्मा को जो धमकी दी है, हम पुरजोर मांग करते हैं कि उनको माफी मांगनी पड़ेगी और जब तक वो माफी नहीं मांगेंगे तब तक हम उनको माफ भी नहीं करेंगे और उनको यहां पर बोलने भी नहीं देंगे।

मांग संख्या 37 का पारण

श्री सभापति: प्रश्न यह है कि मांग संख्या 37 – कृषि के सम्बन्ध में 31 मार्च, 2012 को समाप्त होने वाले वर्ष में किये जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रुपये 11,14,55,55,000/- (ग्यारह अरब चौदह करोड़ पचपन लाख पचपन हजार) तक की राशि प्रदान की जाए?

(स्वीकृत)

मांग स्वीकार की गई।

मांग संख्या 39 का पारण

प्रश्न यह है कि मांग संख्या 39 – पशुपालन एवं चिकित्सा (डेयरी) के सम्बन्ध में 31 मार्च, 2012 को समाप्त होने वाले वर्ष में किये जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रुपये 3,43,46,05,000/- (तीन अरब तियालीस करोड़ छियालीस लाख पाँच हजार) तक की राशि प्रदान की जाए?

(स्वीकृत)

मांग स्वीकार की गई।

मांग संख्या 32 का पारण

प्रश्न यह है कि मांग संख्या 32 – नागरिक आपूर्ति के सम्बन्ध में 31 मार्च, 2012 को समाप्त होने वाले वर्ष में किये जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रुपये 3,06,72,07,000/- (तीन अरब छह करोड़ बहत्तर लाख सात हजार) तक की राशि प्रदान की जाए?

(स्वीकृत)

मांग स्वीकार की गई।

शासकीय वक्तव्य

जोधपुर के उम्मेद अस्पताल में हुई प्रसूताओं की मौत पर कार्यवाही

चिकित्सा मंत्री जी।

श्री एमादुद्दीन अहमद खान (दुरू मियां) (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री): सभापति महोदय, मैंने जोधपुर के उम्मेद अस्पताल में हुई मौतों के सम्बन्ध में 10 मार्च को वक्तव्य देते हुए यह बताया था कि इस बारे में संभागीय आयुक्त, जोधपुर द्वारा जांच की जा रही है। उस जांच में जो प्रगति हुई उसके बारे में सदन को अवगत करवाना चाहता हूं।

जोधपुर के अस्पतालों में प्रसूताओं की लगातार मृत्यु के सम्बन्ध में राज्य सरकार द्वारा संभागीय आयुक्त, जोधपुर को जांच अधिकारी नियुक्त कर जांच रिपोर्ट प्राप्त की गई। Divisional Commissioner की रिपोर्ट में उनकी Preliminary findings के आधार पर -

1. Dr. Sumitra Boda, Head of Department, Gynecology & Obstetrics, Medical College, Jodhpur को Supervisory negligence,
2. Dr. Ajay Malviya, Associate Professor Surgery, MO In-charge Stores, Mahatma Gandhi Hospital, दवाइयों की खरीद में अनियमितता,
3. Dr. Mohan Makvana, Associate Professor Pediatrics, MO In-charge Stores, ummaid Hospital, दवाइयों की खरीद में अनियमितता के आरोपों पर निलम्बित कर दिया गया है।

श्री सभापति: सदन की बैठक शुक्रवार, दिनांक 18 मार्च, 2011 के प्रात: 11.00 बजे तक के लिए स्थगित की जाती है।

(तदनन्तर सदन की बैठक 15.44 बजे शुक्रवार, दिनांक 18 मार्च, 2011 के 11.00 बजे तक के लिए स्थगित हुई।)